Drishti IAS

करेंट अफेयर्स उत्तर प्रदेश

अक्तूबर (संग्रह)

2023

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

उत्तर प्रदेश **3**

- स्टेट कैपिटल रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एस.सी.आर.डी.ए.) का होगा गठन 3
- गोरखपुर से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारंभ 4
- उत्तर प्रदेश के तीन शहर नोएडा, गाज़ियाबाद और मेरठ सर्वाधिक दस प्रदूषित शहरों में शामिल 5
- बाल साहित्य सम्मान, 2022 6
- कहानीकार योगेंद्र आहूजा को 'आनंद सागर स्मृति कथाक्रम सम्मान' 7
- उत्तर प्रदेश के रोहन को जूडो में मिला रजत पदक 8
- उत्तर प्रदेश में बनेंगे 450 आटोमैटिक वेदर स्टेशन 9
- उत्तर प्रदेश में प्रत्येक बुधवार शक्ति दीदी देंगी समाधान 9
- उत्तर प्रदेश में पाँच एक्सप्रेस-वे के किनारे 32 औद्योगिक शहरों का होगा निर्माण 10
- पीलीभीत में 'वन्य जीव संरक्षण और सतत् पर्यटन विकास' विषयक कार्यशाला का शुभारंभ 11
- सुल्तान ऑफ जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट के लिये उत्तर प्रदेश के पाँच खिलाड़ी चयनित 12
- अयोध्या समेत सात शहरों में नई टाउनशिप बसेगी 13
- ऐतिहासिक-धार्मिक स्थलों के विकास के लिये 'वंदन' योजना 14
- एयरपोर्ट की तर्ज़ पर सँवारे जाएंगे प्रदेश के 23 बस स्टैंड 14
- मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट शहरी (सीएम ग्रिड) योजना 15
- बासमती का स्वाद एवं गुणवत्ता बचाने के लिये 10 कीटनाशक प्रतिबंधित 17
- मथुरा में पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति जन्मोत्सव मेला 18
- 'मिशन शक्ति' के चौथे चरण की शुरुआत 20
- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के बीच समझौता 21
- अमेठी सांसद खेल-कूद प्रतियोगिता-2023 के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार 21
- गोरखपुर में ज्ञान डेयरी की दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद परियोजना का लोकार्पण 22
- तीन दिवसीय 'श्री अन्न महोत्सव' का लखनऊ में 27 अक्तूबर को होगा शुभारंभ 24
- उत्तर प्रदेश के गाँवों में शुरू की जाएगी डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक 25
- बीएचयू में बनेगा नेशनल एजिंग सेंटर 27
- वाराणसी समेत तीन जगह खुलेंगी डायलिसिस यूनिट 28
- कबीर पुरस्कार के लिये तीन बुनकरों का चयन 28
- लखनऊ में बनेगा नौसेना शौर्य संग्रहालय 34
- लखनऊ ने खेलो इंडिया महिला जूडो लीग में प्राप्त किया पहला स्थान 35
- अंकुर धामा ने जीता एशियन पैरा गेम्स के पाँच हज़ार मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक 36
- लाडली अवार्ड्स 2023: 'गाँव कनेक्शन' को मिला दोहरा सम्मान 36
- अमर उजाला के चंद्रभान यादव को मिला 'लाडली मीडिया अवॉर्ड' 38
- उत्तर प्रदेश बना देश का चौथा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम वाला प्रदेश 38
- उत्तर प्रदेश के एक्सप्रेसवे पर इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिये बनेंगे अत्याधुनिक चार्जिंग स्टेशन 39
- 'हर घर जल योजना' के तहत नल कनेक्शन देने में उत्तर प्रदेश देश में शीर्ष पर 40
- पूर्वांचल के सरकारी स्कूल पढ़ाई-लिखाई और अनुशासन जैसे मानकों पर अव्वल 41

नोट :

उत्तर प्रदेश

स्टेट कैपिटल रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एस.सी.आर.डी.ए.) का होगा गठन

चर्चा में क्यों ?

29 सितंबर, 2023 उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में स्टेट कैपिटल रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एस.सी.आर.डी.ए.) के जल्द से जल्द गठन के निर्देश दिये।

प्रमुख बिंदु

- बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तीन महीने के अंदर एस.सी.आर.डी.ए. की कार्ययोजना प्रस्तुत करें।
- एस.सी.आर.डी.ए. में लखनऊ, उन्नाव, हरदोई, रायबरेली, सीतापुर और बाराबंकी जनपदों को शामिल किया जाएगा।
- राजधानी लखनऊ को एस.सी.आर.डी.ए. का मुख्यालय बनाया जाएगा और नागरिकों की सुविधा के लिये बाकी जनपदों में रीजनल ऑफिस खोले जाएगे।
- झांसी औद्योगिक विकास प्राधिकरण के बाद एस.सी.आर.डी.ए. प्रदेश में नियोजित शहरी विकास का मॉडल होगा।
- योजना के अंतर्गत 59 शहरों के लिये तैयार किया जा रहा मास्टर प्लान शासन के अनुमोदनार्थ भेजने के निर्देश दिये गए हैं।
- शामली, बड़ौत, चंदौसी, गोंडा एवं अमरोहा में पहली बार मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है, साथ ही लोनी और मोदीनगर को गाजियाबाद में इंट्रीग्रेट करते हुए एक मास्टर प्लान बनाए जाने के निर्देश दिये हैं।

नोट :

गोरखपुर से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 3 अक्तूबर, 2023 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद गोरखपुर के बी.आर.डी. मेडिकल कॉलेज में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारंभ किया। यह विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान प्रदेश में 31 अक्तूबर, 2023 तक चलाया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जनजागरूकता के लिये प्रचार वाहनों को झंडी दिखाकर रवाना किया। 02 आशा व 02 आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओं को उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया तथा आयुष्मान भारत योजना के 04 लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड भी प्रदान किये।
- विदित है कि 6 वर्ष पूर्व वर्ष 2017 में डेंगू, मलेरिया, इंसेफेलाइटिस, कालाजार, चिकनगुनिया जैसे संचारी रोगों के नियंत्रण के लिये विशेष अभियान का शुभारंभ किया गया था।
- इन परिणामों को देखकर ही प्रदेश सरकार प्रतिवर्ष 03 बार अंतर्विभागीय समन्वय के माधयम से संचारी रोग नियंत्रण के लिये विशेष अभियान चलाती है।
- विशेष अभियान में पहले 15 दिन का कार्यक्रम जनजागरण व अंतर्विभागीय समन्वय के साथ अपनी ज़िम्मेदारी का निर्वहन करने के लिये है।
- 16 से 31अक्तूबर, 2023 तक दस्तक अभियान के अंतर्गत आशा कार्यकर्त्ताओं द्वारा घर-घर जाकर बुखार, खांसी एव अन्य शिकायतों के मरीज़ों को चिह्नित कर उनकी काउंसलिंग, हॉस्पिटल तक पहुँचाने और उनके समुचित उपचार की व्यवस्था हेतु एक विशेष कार्यक्रम चलेगा।

नोट :

उत्तर प्रदेश के तीन शहर नोएडा, गाज़ियाबाद और मेरठ सर्वाधिक दस प्रदूषित शहरों में शामिल

चर्चा में क्यों ?

4 अक्तूबर, 2023 को जारी रेस्पायरर लिविंग साइंसेज की रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश के तीन शहर नोएडा, गाज़ियाबाद और मेरठ सर्वाधिक दस प्रदूषित शहरों में शामिल है।

प्रमुख बिंदु

- देश के 10 सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में दिल्ली शीर्ष पर बना हुआ है, वहीं देश का दूसरा सर्वाधिक प्रदूषित शहर पटना है।
- तीसरे नंबर पर भी बिहार का शहर मुज़फ्फरपुर है, जबकि चौथे स्थान पर हरियाणा का फरीदाबाद है। इसके बाद क्रमश: नोएडा, गाज़ीबाद, मेरठ, नलबाड़ी, आसनसोल और ग्वालियर हैं।
- रिपोर्ट के अनुसार पहले की तुलना में दिल्ली की वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार हुआ, लेकिन इसके बावजूद यह 1 अक्तूबर, 2022 और 30 सितंबर, 2023 के बीच सबसे प्रदूषित शहर था। यह स्तर सरकार के 'अच्छे'स्तर से तीन गुना अधिक और डब्ल्यूएचओ की सुरक्षित सीमा से 20 गुना अधिक है।
- रिपोर्ट में सबसे स्वच्छ हवा वाला शहर मिज़ोरम की राजधानी आइजोल है। देश के 10 सर्वाधिक स्वच्छ शहरों में आईजोल, चिक्कमंगलुरु, मंडीखेडा (हरियाणा), शिवमोंगा, मदिकेरी, विजयपुरा, गदाग, चामराजनगर, रायचूर तथा मैसूरू हैं।
- यह रिपोर्ट इस बात पर ज़ोर देती है कि पीएम 2.5 में बारीक, ज़हरीले कण होते हैं, जो फेफड़ों में गहराई तक प्रवेश कर सकते हैं तथा हृदय रोग, स्ट्रोक और अन्य श्वसन रोगों का कारण बन सकते हैं। पीएम 2.5 डाटा हवा में सूक्ष्म कणों को मापता है। स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण के प्रभावों का आकलन करने के लिये यह रिपोर्ट व्यापक रूप से उपयोग की जाती है।

नोट :

बाल साहित्य सम्मान, 2022

चर्चा में क्यों ?

4 अक्तूबर, 2023 को उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान की बाल साहित्य सम्मान समिति की बैठक में ''बाल साहित्य सम्मान, 2022'' के लिये बाल साहित्यकारों का चयन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- संस्थान द्वारा सात बाल साहित्य सम्मान के विजेताओं की घोषणा की गई है। इसमें गाज़ियाबाद के दो साहित्यकारों के साथ लखनऊ, बिजनौर, वाराणसी, अलीगढ़ और बस्ती के एक-एक बाल साहित्यकार शामिल हैं।
- बाल साहित्य सम्मान 2022 के लिये 'सुभद्रा कुमारी चौहान महिला बाल साहित्य सम्मान' गाज़ियाबाद की श्रद्धा पांडेय को दिया जाएगा।

नोट :

- 'सोहनलाल द्विवेदी बाल कविता सम्मान' बिजनौर के डॉ. अजय जनमेजय को, 'अमृत लाल नागर बाल कथा सम्मान' वाराणसी के पवन शर्मा को 'लल्ली प्रसाद पांडे बाल साहित्य पत्रकारिता सम्मान' बस्ती के लाल देवेंद्र श्रीवास्तव को, 'डॉ. रामकुमार वर्मा बाल नाटक सम्मान' अलीगढ़ के अशोक अंजुम को, 'जगपति चतुर्वेदी बाल विज्ञान लेखन सम्मान' गाज़ियाबाद के डॉ. मनीष मोहन गोरे को और 'उमाकांत मालवीय युवा बाल साहित्य सम्मान' लखनऊ की शताब्दी गरिमा को दिया जाएगा।
- इसमें सम्मानस्वरूप 51 हज़ार रुपए और सम्मान-पत्र दिये जाएंगे।
- उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान की प्रधान संपादक डॉ. अमिता दुबे ने बताया कि बाल साहित्य संवर्धन योजना के अंतर्गत बाल साहित्य सम्मान दिये जाते हैं।

कहानीकार योगेंद्र आहूजा को 'आनंद सागर स्मृति कथाक्रम सम्मान'

चर्चा में क्यों ?

4 अक्तूबर, 2023 को आनंद सागर स्मृति कथाक्रम सम्मान समिति की बैठक में कहानीकार योगेंद्र आहूजा को 'आनंद सागर स्मृति कथाक्रम सम्मान' दिये जाने का निर्णय लिया गया।

प्रमुख बिंदु

- बैठक में संयोजक शैलेंद्र सागर, वरिष्ठ कहानीकार शिवमूर्ति, रंगकर्मी अखिलेश और लेखिका रजनी गुप्त शामिल रहीं।
- आनंद सागर स्मृति कथाक्रम सम्मान के अंतर्गत 21 हज़ार रुपए व सम्मान चिह्न प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान पाँच नवंबर को समारोह में दिया जाएगा।
- वरिष्ठ साहित्यकार शैलेंद्र सागर ने बताया कि 1 दिसंबर, 1969 को उत्तर प्रदेश के बदायूँ में जन्मे योगेंद्र आहूजा हिन्दी कथा साहित्य के विशिष्ट एवं चर्चित कहानीकार हैं। उन्होंने उत्तराखंड के काशीपुर तथा उत्तर प्रदेश के बरेली ज़िले में शिक्षा ग्रहण की। योगेंद्र आहूजा की पहली कहानी प्रतिष्ठित पत्रिका पहल में 1991 में प्रकाशित हुई। इसके बाद लेखक ने मर्सिया, गलत, एक पुरानी कहानी, खाना, लफ्फाज, कुश्ती, एक्यूरेट, पैथोलॉजी जैसी लोकप्रिय कहानियाँ लिखीं।
- योगेंद्र आहूजा का पहला कहानी संग्रह अंधेरे में हँसी 2004 में प्रकाशित हुआ। अभी हाल ही में पुस्तक टूटते तारों तल प्रकाशित को पूर्व में कथा पुरस्कार, परिवेश सम्मान, विजय वर्मा सम्मान, रमाकांत स्मृति पुरस्कार, स्पंदन सम्मान और प्रेमचंद स्मृति सम्मान मिल चुका है।

नोट :

उत्तर प्रदेश के रोहन को जूडो में मिला रजत पदक

चर्चा में क्यों ?

5 अक्तूबर 2023 को जयपुर में आयोजित सीनियर नेशनल जूडो चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश के रोहन बिश्नोई ने रजत पदक जीता।

प्रमुख बिंदु

- 100 किलोग्राम भार वर्ग के फाइनल में ऑल इंडिया पुलिस सर्विसेज कंट्रोल बोर्ड के ध्यान सिंह से हार के चलते उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।
- इससे पहले रोहन ने त्रिपुरा के अतन्या देबबर्मा, छत्तीसगढ़ के सुधीर चौहान, गुजरात के रविराज राजपूत एवं सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के विकास को हराते हुए फाइनल में प्रवेश किया था।
- रोहन विश्नोई मुरादाबाद के रहने वाले हैं।

नोट :

उत्तर प्रदेश में बनेंगे 450 आटोमैटिक वेदर स्टेशन

चर्चा में क्यों ?

5 अक्तूबर 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार राहत विभाग ने प्रदेश में 450 आटोमैटिक वेदर स्टेशन और 2000 आटोमैटिक रेन गेज लगाने के लिये कार्यादेश जारी कर दिया है।

प्रमुख बिंदु

- प्रदेश में अगले मानसून सत्र से तहसील और ब्लॉक स्तर पर मौसम की सटीक पूर्व जानकारी मिलेगी। वहीं गाँवों में वर्षा का एकदम सही माप भी सामने आएगा।
- कई बार ग्रामीण और शहरी इलाकों में तेज बरसात और आंधी के कारण नुकसान होता है। अतिवृष्टि की स्थिति में लोगों को समय पर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने में भी मुश्किल होती है। इस तरह की समस्याओं के समाधान के लिये राहत विभाग 450 एडब्ल्यूएस और 2000 एआरजी लगा रहा है।
- इनके लिये 80 कर्मचारी भी तैनात किये जाएंगे। विभाग ने 142.16 करोड़ रुपए का बजट जारी किया है। ये संयंत्र लगने के बाद हर क्षेत्र में मौसम और बरसात की सटीक जानकारी मिल सकेगी और इससे आपदा से होने वाले नुकसान को रोकने में मदद मिलेगी।
- राहत विभाग की ओर से लखनऊ, अलीगढ़, झाँसी और आजमगढ़ में डाप्लर वेदर राडार लगाए जाएंगे। यह राडार बारिश की तीव्रता, हवा की गति के नापने के साथ बवंडर की दिशा भी बताएंगे। इन चार ज़िलों में राडार लगाने के लिये 26.12 करोड़ रुपए मंजूर किये गए हैं।

उत्तर प्रदेश में प्रत्येक बुधवार शक्ति दीदी देंगी समाधान

चर्चा में क्यों ?

8 अक्तूबर, 2023 को उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा व स्वावलंबन के लिये योगी सरकार ने नई मुहिम शुरू की है, जिसके तहत प्रत्येक बुधवार शक्ति दीदी गाँव और शहरों में विभिन्न स्थानों पर जाकर समाधान देंगी।

प्रमुख बिंदु

- प्रत्येक सप्ताह बुधवार के दिन दो महिला पुलिसकर्मियों (शक्ति दीदी) की टीम गाँव और शहरों में विभिन्न स्थानों पर जाकर महिलाओं को सरकार की महिला प्रधान योजनाओं के विषय में जानकारी देंगी और विभिन्न विभागों के साथ समन्वय कर उनकी समस्याओं का निदान भी कराने का प्रयास करेंगी।

नोट :

- ग्राम और न्याय पंचायतों में भ्रमण के दौरान बीसी सखी, राजस्व लेखपाल, एएनएम, आशा वर्कर भी मौजूद रहेंगी।
- शक्ति दीदी विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देंगी। इनमें मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना आदि के बारे में बताएंगी। ये महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित कानूनों की जानकारी भी देंगी।
- शक्ति दीदी सरकार द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर और फोरम की जानकारी भी देंगी। शहरी क्षेत्रों में भी ऐसी कार्ययोजना बनेगी।

उत्तर प्रदेश में पाँच एक्सप्रेस-वे के किनारे 32 औद्योगिक शहरों का होगा निर्माण

चर्चा में क्यों ?

7 अक्तूबर, 2023 को औद्योगिक विकास विभाग के प्रमुख सचिव अनिल सागर ने बताया कि उत्तर प्रदेश में पाँच एक्सप्रेस-वे के किनारे 32 औद्योगिक शहरों का नेटवर्क बनाया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- तीन एक्सप्रेस-वे के 23 ज़िलों की 23 तहसीलों के तहत आने वाले 84 गाँवों को औद्योगिक शहर के लिये अधिसूचित कर दिया गया है।
- उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) चिह्नित गाँवों में ज़मीन अधिग्रहण या खरीदने का काम करेगा।
- हर औद्योगिक शहर के लिये 100 एकड़ से 600 एकड़ तक की ज़मीन ली जाएगी। इसके बाद जल्दी ही आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे व गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के किनारे औद्योगिक शहर के लिये गाँव अधिसूचित किये जाएंगे।
- इस तरह कुल औद्योगिक शहरों का नेटवर्क 32 ज़िलों तक फैला होगा। यहाँ बुनियादी सुविधाओं का विकास होगा। इसके बाद निवेशकों को अपने उद्योग लगाने के लिये मनपसंद लोकेशन पर प्लाट उपलब्ध कराए जाएंगे।
- पहले वेयरहाउस व लॉजिस्टिक उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा। इन औद्योगिक शहरों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, होजरी, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयाँ, रसायन, दुग्ध प्रसंस्करण, दवा, मशीनरी संयंत्र, आईटी, कृषि उपज आधारित इकाइयाँ लगाई जाएंगी।

नोट :

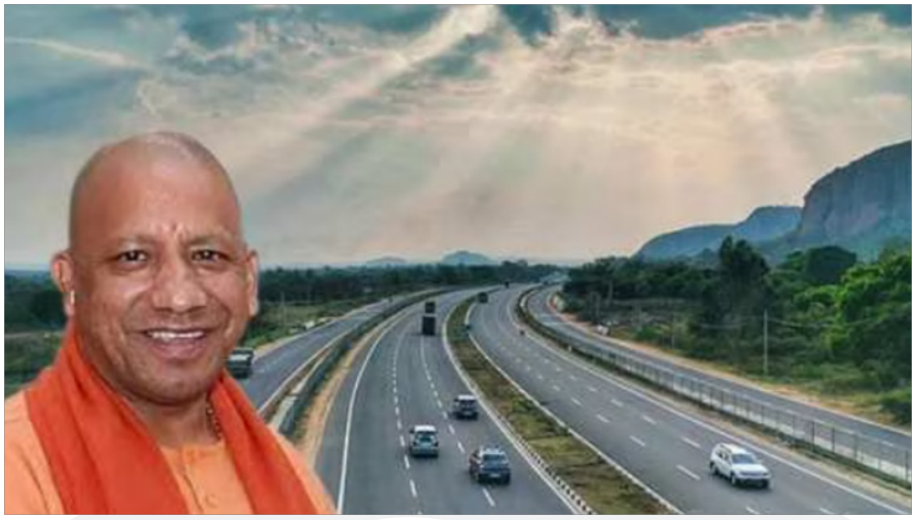

पीलीभीत में 'वन्य जीव संरक्षण और सतत् पर्यटन विकास' विषयक कार्यशाला का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

6 अक्तूबर, 2023 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद पीलीभीत में 'वन्य प्राणि सप्ताह' के अवसर पर 'वन्य जीव संरक्षण और सतत् पर्यटन विकास'विषयक कार्यशाला का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 'सारस गणना रिपोर्ट-2023', डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ. इंडिया एवं उत्तर प्रदेश वन विभाग द्वारा संकलित 'लग्गा-बग्गा कॉरिडोर पुस्तक'तथा वृक्षारोपण जन अभियान-2023 की कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। साथ ही सेल्फी पॉइंट का अनावरण तथा वृक्षारोपण भी किया।
- इस अवसर पर उन्होंने 248 करोड़ रुपए की लागत से जनपद पीलीभीत के विकास की 26 परियोजनाओं एव 05 करोड़ रुपए की लागत से 51 उच्चीकृत वन विश्राम भवनों का लोकार्पण व शिलान्यास किया।
- मुख्यमंत्री ने तराई एलीफेंट रिज़र्व के 'लोगो'तथा 'स्क्रीन'का भी विमोचन किया।
- मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में बाघों की सुरक्षा हेतु 'बाघ मित्र ऐप'का शुभारंभ किया तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले बाघ मित्रों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। हर्षित सरकार और निपुण वैरागी को शहद किट का सांकेतिक प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

नोट :

सुल्तान ऑफ जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट के लिये उत्तर प्रदेश के पाँच खिलाड़ी चयनित

चर्चा में क्यों ?

9 अक्तूबर, 2023 को हॉकी इंडिया ने सुल्तान ऑफ जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट के लिये 20 सदस्यीय भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की। इसमें उत्तर प्रदेश के पाँच खिलाड़ियों का चयन हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि 27 अक्टूबर से 4 नवंबर तक मलेशिया के जोहोर में 11वें सुल्तान ऑफ जोहोर कप-2023 का आयोजन किया जाएगा।
- मिनी विश्व कप के रूप में मानी जाने वाली इस प्रतियोगिता में लखनऊ के आमिर अली, साईं सेंटर लखनऊ के उत्तम सिंह और अरुण साहनी, झांसी के अब्दुल अहद और लखनऊ स्पोर्ट्स हॉस्टल के विष्णुकांत सिंह का चयन 20 सदस्यीय भारतीय टीम में किया गया है।
- सुल्तान ऑफ जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट प्रतियोगिता के इस 11वें सत्र में छह की जगह आठ टीमें हिस्सा लेंगी।
- सुल्तान ऑफ जोहोर कप मलेशिया में आयोजित 21 पुरुषों की टीम का अंतर्राष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट है। इसकी स्थापना 2011 में हुई थी। वर्ष 2011 से 2022 के मध्य भारत और ग्रेट ब्रिटेन ने तीन बार टूर्नामेंट जीता जबकि, ऑस्ट्रेलिया ने 2 बार, वहीं जर्मनी और मलेशिया ने एक-एक बार टूर्नामेंट जीता है।

नोट :

अयोध्या समेत सात शहरों में नई टाउनशिप बसेगी

चर्चा में क्यों ?

9 अक्तूबर, 2023 को राज्य सरकार द्वारा अयोध्या, मेरठ, आगरा, सहारनपुर, वाराणसी, मुरादाबाद और कानपुर के साथ आवास विकास परिषद वाले शहरों में टाउनशिप बसाने की अनुमति दी गई है।

प्रमुख बिंदु

- इसके लिये 'मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण शहर प्रोत्साहन योजना' की शुरुआत की गई है।
- इन सभी विकास प्राधिकरण और आवास विकास परिषद को मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना में 1680 करोड़ रुपए दिये जाएंगे।
- विकास प्राधिकरण और आवास विकास परिषद ज़मीन अधिग्रहण करने के बाद आवासीय योजना लाएंगे।
- योजना के तहत नई टाउनशिप के विकास से पूर्व विकसित टाउनशिप के विस्तारीकरण के लिये भूमि अधिग्रहण पर होने वाले खर्च का 50 प्रतिशत राज्य सरकार अधिकतम 20 साल के लिये देगी। शेष पैसा संबंधित विकास प्राधिकरण को स्वयं जुटाना होगा।
- आवास विकास परिषद को 400 करोड़, वाराणसी विकास प्राधिकरण को 400 करोड़, मुरादाबाद विकास प्राधिकरण को 200 करोड़, कानपुर विकास प्राधिकरण को 200 करोड़, मेरठ विकास प्राधिकरण को 200 करोड़, आगरा विकास प्राधिकरण को 150 करोड़, सहारनपुर विकास प्राधिकरण को 100 करोड़ तथा अयोध्या विकास प्राधिकरण को 30 करोड़ आवंटित किये जाएंगे।

नोट :

ऐतिहासिक-धार्मिक स्थलों के विकास के लिये 'वंदन' योजना

चर्चा में क्यों ?

10 अक्तूबर, 2023 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में शहरी निकायों में स्थित सांस्कृतिक, पौराणिक, ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों के विकास के लिये 'वंदन' योजना को स्वीकृति दी गई।

प्रमुख बिंदु

- नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने बताया कि योजना के तहत इन स्थलों पर लाइटिंग, पेयजल, टॉयलेट, साफ-सफाई, लिंक रोड और बेंच सहित अन्य बुनियादी सुविधाएँ विकसित की जाएंगी।
- ज़िलाधिकारी की अध्यक्षता में बनी कमेटी प्रत्येक वर्ष ऐसे 2-2 स्थलों का चयन करेगी। इस योजना के तहत ऐसे स्थलों पर संपर्क मार्ग, विश्राम स्थल, शेड, पेयजल की व्यवस्था, लाइटिंग, पेंटिंग, इंटरलॉकिंग, परिक्रमा पथ, घाटों का निर्माण आदि कार्यों को पर्यटन विभाग से समन्वय कर कराया जाएगा।
- इस योजना में वित्तीय वर्ष 2023-24 में 50 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा पर्यटन विभाग, सीएसआर मद, सांसद-विधायक निधि व नगर निकाय विभाग के बजट से भी इन स्थलों को विकसित किया जा सकेगा।

एयरपोर्ट की तर्ज़ पर सँवारे जाएंगे प्रदेश के 23 बस स्टैंड

चर्चा में क्यों ?

10 अक्तूबर, 2023 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के 23 बस स्टैंड को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत एयरपोर्ट की तर्ज़ पर विकसित किये जाने के प्रस्ताव को मंज़ूरी दी गई।

प्रमुख बिंदु

- परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने कैबिनेट निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि गाज़ियाबाद के साहिबाबाद, आगरा के ट्रांसपोर्ट नगर और ईदगाह, मथुरा के पुराना बस स्टैंड, कानपुर के कानपुर सेंट्रल (झकरकटी), वाराणसी के कैंट, प्रयागराज के ज़ीरो रोड और लखनऊ के अमौसी बस स्टैंड को पीपीपी मोड पर बसपोर्ट विकसित करने का प्रस्ताव मंज़ूर किया गया है।
- बुलंदशहर के बुलंदशहर और मेरठ के गढ़मुक्तेश्वर को एयरपोर्ट की तर्ज़ पर बसपोर्ट बनाने का प्रस्ताव भी मंज़ूर किया गया है।
- लखनऊ के चारबाग, मेरठ के सोहराबगेट, अलीगढ़ के रसूलाबाद, गोरखपुर के गोरखपुर, अयोध्या के अयोध्याधाम, बरेली के सैटेलाइट, रायबरेली और मिर्ज़ापुर में बसपोर्ट के लिये भी प्रस्ताव तैयार किया गया है।

नोट :

- उन्होंने बताया कि प्रयागराज के पुराने बस स्टैंड, कौशांबी, लखनऊ के गोमतीनगर, गाज़ियाबाद बस स्टैंड को बसपोर्ट में तैयार करने के लिये फर्म का चयन हो गया है। आगामी दिनों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसका शिलान्यास करेंगे।

मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट शहरी (सीएम ग्रिड) योजना

चर्चा में क्यों ?

10 अक्तूबर, 2023 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में शहरों की सड़कों को और बेहतर करने के लिये 'मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट शहरी (सीएम ग्रिड) योजना' शुरू करने का निर्णय लिया गया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट शहरी (सीएम ग्रिड) योजना में वित्तीय वर्ष 2023-24 में 500 करोड़ रुपए खर्च किये जाएंगे।
- नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने इस संबंध में बताया कि पहले चरण में 17 नगर-निगमों अयोध्या, अलीगढ़, आगरा, कानपुर, गाज़ियाबाद, गोरखपुर, झाँसी, प्रयागराज, फिरोज़ाबाद, बरेली, मथुरा-वृंदावन, मेरठ, मुरादाबाद, लखनऊ, वाराणसी, शाहजहाँपुर और सहारनपुर में इस योजना के अंतर्गत काम किया जाएगा।
- दूसरे चरण में नगर पंचायत और पालिका परिषद की सड़कों को शामिल किया जाएगा। इसके लिये शहरी सड़क अवसंरचना विकास एजेंसी की स्थापना की जाएगी।
- इस योजना में निकायों द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष अर्जित आय के आधार पर सड़कों के विकास के लिये अनुदान दिया जाएगा।
- योजना के अंतर्गत सड़क से संबंधित सभी सुविधाएँ, जैसे- यूटीलिटी डक्ट, फुटपाथ, ग्रीन ज़ोन, सौर आधारित स्ट्रीट लाइट, बस स्टॉप, ईवी चार्जिंग स्टेशन, सौंदर्यीकरण, पैदल यात्री सुविधा आदि सुविधा दी जाएंगी। शहरों की सभी सड़कों को सुरक्षित, टिकाऊ और समावेशी बनाया जाएगा तथा ये सड़कें हरियाली और पर्यावरण के अनुकूल होंगी।

नोट :

नोट :

बासमती का स्वाद एवं गुणवत्ता बचाने के लिये 10 कीटनाशक प्रतिबंधित

चर्चा में क्यों ?

10 अक्तूबर, 2023 को बासमती एक्सपोर्ट डेवलपमेंट फाउंडेशन (बीईडीएफ), मोदीपुरम के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. रितेश शर्मा ने बताया कि बासमती की फसल में अंधाधुंध रसायनों के प्रयोग से बिगड़ रहे स्वाद और इसकी गुणवत्ता को बचाने के लिये 10 कीटनाशकों को प्रतिबंधित कर दिया गया है।

प्रमुख बिंदु

- अपर निदेशक (कृषि रक्षा) त्रिपुरारी प्रसाद चौधरी ने प्रदेश के 30 ज़िलों में 10 कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इनके प्रतिबंधित होने से बासमती की गुणवत्ता और इसके असली स्वाद को बचाया जा सकेगा। इससे बासमती का निर्यात भी बढ़ाया जा सकेगा।
- ये कीटनाशक किये गए प्रतिबंधित: ट्राइसाक्लाजोल, बुप्रोफेजिन, एसीफेट, क्लोरपाइरीफोंस, हेक्साकलोनोजॉल, प्रोपिकोनाजोल, थायोमेथाक्साम, प्रोफेनोफोस, इमिडाक्लोप्रिड और कार्बेनडाजिम।
- डॉ. रितेश शर्मा ने बताया कि बासमती की खेती पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 30 ज़िलों में होती है। इनमें आगरा, अलीगढ़, औरैया, बागपत, बरेली, बिजनौर, बदायूँ, बुलंदशहर, एटा, कासगंज, फर्रूखाबाद, फिरोज़ाबाद, इटावा, गौतमबुद्धनगर, गाज़ियाबाद, हापुड़, हाथरस, मथुरा, मैनपुरी, मेरठ, मुरादाबाद, अमरोहा, कन्नौज, मुज़फ्फरनगर, शामली, पीलीभीत, रामपुर, सहारनपुर, शाहजहाँपुर, संभल शामिल हैं।
- विदित है कि बासमती चावल उत्तर प्रदेश की भौगोलिक संकेत (जीआई) श्रेणी की फसल है। इसमें लगने वाले कीटों व रोगों की रोकथाम के लिये कृषि रसायनों का प्रयोग किया जाता है। इन रसायनों के अवशेष बासमती चावल में पाए जा रहे हैं।
- एपीडा (एग्रीकल्चर एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी) की ओर से बताया गया है कि यूरोपियन यूनियन द्वारा बामसती चावल में ट्राइसाइक्लाजोल का अधिकतम कीटनाशी अवशेष स्तर एमआरएल 0.01 पीपीएम निर्धारित किया गया है, लेकिन निर्धारित पीपीएम की मात्रा से अधिक होने के कारण यूरोप, अमेरिका एवं खाड़ी देशों के निर्यात में वर्ष 2020-21 की तुलना में वर्ष 2021-2022 में 15 प्रतिशत की कमी आई है।

नोट :

मथुरा में पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति जन्मोत्सव मेला

चर्चा में क्यों ?

11 अक्तूबर, 2023 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद मथुरा में पंडित दीनदयाल उपाध्याय धाम, नगला चंद्रभान फरह में आयोजित होने वाले चारदिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति जन्मोत्सव मेला का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विराट किसान संगोष्ठी को भी संबोधित किया तथा फरह में मिनी स्टेडियम बनाने की घोषणा की।
- मुख्यमंत्री ने मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधाओं हेतु क्रय की गई गोल्फ कार्ट का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया।
- उन्होंने गो संरक्षण के माध्यम से किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये दीनदयाल उपाध्याय गऊ अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय वेटनरी विश्वविद्यालय के मध्य एमओयू किये जाने का आह्वान किया।
- विदित है कि गत वर्ष कोसी कला में फूड प्रोसेसिंग का बड़ा केंद्र स्थापित किया गया था। अब जनपद आगरा में आलू प्रोसेसिंग का नया सेंटर स्थापित किया जाएगा।

नोट :

उत्तर प्रदेश के पाँच लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में व्यावसायिक गतिविधियों के लिये ग्रीन क्षेत्र आरक्षित

चर्चा में क्यों ?

12 अक्तूबर 2023 को उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव (आवास) नितिन रमेश गोकर्ण ने बताया कि प्रदेश के पाँच लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में ट्रांसपोर्ट नगर, आर्थिक ज़ोन, उद्योग और व्यावसायिक गतिविधियों के साथ ग्रीन क्षेत्र आरक्षित होंगे।

प्रमुख बिंदु

- इन आरक्षित क्षेत्रों के लिये कॉन्प्रिहेंसिव मोविलिटी प्लान में ट्रांसपोर्ट नगर की व्यवस्था की जाएगी, बाज़ार व कॉलोनियों में सड़कों की चौड़ाई तय की जाएगी।
- आर्थिक ज़ोन में लघु उद्योग व्यावसायिक गतिविधियों के साथ ही कारपोरेट सेक्टर के ऑफिसों के लिये स्थान आरक्षित होंगे। ग्रीन इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ ही ट्रांजिड ओरिएंटेड डेवलपमेंट के लिये ये सुविधाएँ दी जाएंगी।
- संबंधित विकास प्राधिकरण मास्टर प्लान में इन स्थानों को चिह्नित करते हुए आरक्षित करेगी। केंद्र सरकार इन शहरों को सुविधाएँ विकसित करने के लिये अलग से 50-50 करोड़ रुपए देगी।
- अपर मुख्य सचिव नितिन रमेश गोकर्ण ने बताया कि मौजूदा मास्टर प्लान में इन सुविधाओं को शामिल करते हुए स्थान आरक्षित किया जाएगा और इन चार में तीन सुविधाएँ देनी होंगी-
  - एक लाख की आबादी पर 40 बसों की सुविधा।
  - मल्टीस्टोरी पार्किंग के साथ ही ईवी चार्जिंग की सुविधा।
  - घनी आबादी और पुराने क्षेत्रों के ट्रांसपोर्ट प्लान।
  - आर्थिक ज़ोन में फूड स्ट्रीट का स्थान आरक्षित होगा।
- केंद्र सरकार ने इन सुविधाओं में से तीन की अनिवार्यता की है। इसके आधार पर ही मास्टर प्लान में इन सुविधाओं के लिये स्थान आरक्षित किया जाना है।
- उत्तर प्रदेश के पहले 19 शहरों में ये सुविधाएँ दी जाएंगी, जिनकी आबादी पाँच लाख से अधिक है, जिनमें लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर, आगरा, मेरठ, गोरखपुर, गाज़ियाबाद, बरेली, मुरादाबाद, मुज़फ्फरनगर, अलीगढ़, झाँसी, फिरोज़ाबाद-शिकोहाबाद, रामपुर, सहारनपुर, मथुरा-वृंदावन, हापुड़-पिलखुआ और शाहजहाँपुर शामिल हैं।

नोट :

'मिशन शक्ति' के चौथे चरण की शुरुआत

चर्चा में क्यों ?

14 अक्तूबर, 2023 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'मिशन शक्ति' के चौथे चरण का आगाज करते हुए अपने सरकारी आवास से महिला सशक्तिकरण रैली का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने लोकभवन में तीन देवियों के प्रतीक के रूप में विशिष्ट अतिथियों पद्मश्री हेमा प्रभा सोतिया, इसरो वैज्ञानिक ऋतु करिधल श्रीवास्तव और एचसीएल की चेयरपर्सन रोशनी नादर मल्होत्रा को सम्मानित किया।
- उन्होंने बताया कि मिशन शक्ति का ही परिणाम है कि एनसीआरबी के आँकड़ों के अनुसार प्रदेश में महिला संबंधी अपराधों में गिरावट आई है। साथ ही ऐसे अपराधियों को सर्वाधिक सज़ा दिलाने वाला राज्य भी उत्तर प्रदेश बन गया है।
- मुख्यमंत्री के निर्देश पर महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से प्रदेश में आगामी दिनों में मेगा इवेंट और अन्य आयोजनों के साथ महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा।
- प्रदेश में 'हक की बात, ज़िलाधिकारी के साथ' मेगा इवेंट भी होगा। इसमें प्रदेश के सभी जनपदों के डीएम हिंसा से पीड़ित महिलाओं के साथ संवाद करेंगे।

नोट :

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के बीच समझौता

चर्चा में क्यों ?

13 अक्तूबर 2023 को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के स्टार्ट-अप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर (एसआईआईसी) के बीच एक समझौता-ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये गए।

प्रमुख बिंदु

- इस समझौता-ज्ञापन के माध्यम से, दोनों पक्ष इनक्यूबेटरों और स्टार्ट-अप को महत्त्वपूर्ण सहायता प्रदान करेंगे, जिससे उनकी वृद्धि और सफलता को बढ़ावा मिलेगा।
- ये संयुक्त प्रयास स्टार्ट-अप के विकास और कृषि क्षेत्र में सार्थक योगदान देने के लिये अनुकूल माहौल प्रदान करेंगे।
- पूसा कृषि और एसआईआईसी आईआईटी ने कृषि में प्रगति और नवाचारों को आगे बढ़ाने के लिये और सहयोग संभावनाओं को तलाशने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।
- यह साझेदारी दोनों संगठनों की विशेषज्ञता और संसाधनों का लाभ उठाते हुए सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से कृषि क्षेत्र में नवीन गतिविधियों को बढ़ावा देगी।

अमेठी सांसद खेल-कूद प्रतियोगिता-2023 के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

13 अक्तूबर, 2023 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति जूबिन इरानी ने जनपद अमेठी में सांसद खेलकूद प्रतियोगिता-2023 के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित किये।

प्रमुख बिंदु

- पुरुस्कार वितरण समारोह के साथ ही 699.79 करोड़ रुपए की लागत वाली 879 परियोजनाओं का भी लोकार्पण/शिलान्यास किया गया।
- अमेठी में सांसद खेलकूद प्रतियोगिता में कुल 1 लाख 11 हज़ार खिलाड़ियों ने पिछले 25 दिनों में 50 हज़ार पदक जीते।
- विदित हो कि 17 सितंबर को अमेठी में सांसद खेल कूद प्रतियोगिता की शुरुआत की गई, जिसका समापन 8 अक्तूबर को हुआ।
- प्रतियोगिता पूरे लोकसभा क्षेत्र में दो स्तरों- विद्यालय स्तर एवं ग्रामीण स्तर पर हुई।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो संदेश के माध्यम से अमेठी सांसद खेल प्रतियोगिता 2023 के समापन समारोह को संबोधित किया।

नोट :

गोरखपुर में ज्ञान डेयरी की दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद परियोजना का लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

16 अक्तूबर, 2023 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद गोरखपुर के गीडा में ज्ञान डेयरी की दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद परियोजना का लोकार्पण किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने डेयरी उद्योग से जुड़ी 5 महिलाओं को सम्मानित भी किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- सी.पी. मिल्क एंड फूड प्रोडक्ट्स प्रा.लि. के रूप में ज्ञान डेयरी का यह डेयरी प्लांट लगाया जा रहा है। 20067 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में विस्तृत इस परियोजना की लागत 114 करोड़ रुपए है।
- इससे 1 लाख पशुपालक परिवारों को प्रत्यक्ष रूप से जुड़ने का लाभ प्राप्त होगा। इससे प्रत्यक्ष रूप से 300 लोगों को नौकरी मिलेगी। 1500 अन्य लोग अप्रत्यक्ष रूप से रोज़गार से जुड़ेंगे।
- इस दूध से विभिन्न प्रोडक्ट्स बनेंगे, जिससे 1 लाख परिवार प्रत्यक्ष रूप से रोज़गार से जुड़ेंगे। इसके साथ-साथ गाय, भैंस के लिये ज़रूरी पौष्टिक आहार हेतु किसानों के फसल अवशेष, भूसा, गन्ना, सरसों आदि की भी बिक्री होगी और उन्हें उचित दाम प्राप्त होगा।
- गोरखपुर एवं बस्ती मंडल में इस परियोजना के तहत दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों का गठन किया जाएगा।
- जनपद गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, बस्ती, संत कबीरनगर और सिद्धार्थनगर में 5000 दुग्ध कलेक्शन सेंटर की स्थापना होगी। इससे 1800 लोगों को प्रत्यक्ष एव अप्रत्यक्ष रूप से रोज़गार प्राप्त होगा।
- इस परियोजना में प्रतिदिन 5 लाख लीटर दूध की खपत की जाएगी। इसमें से 3 लाख लीटर दूध की पैकेजिंग की जाएगी और 2 लाख लीटर दूध से विभिन्न दुग्ध उत्पाद तैयार किये जाएंगे। इसके लिये 1 लाख किसानों, पशुपालकों से दुग्ध आपूर्ति हेतु अनुबंध किया जाएगा।

नोट :

तीन दिवसीय 'श्री अन्न महोत्सव' का लखनऊ में 27 अक्तूबर को होगा शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

17 अक्तूबर 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार कृषि कुंभ 2.0 के पूर्व 27 से 29 अक्तूबर तक लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में तीन दिवसीय श्री अन्न महोत्सव व राज्यस्तरीय मिलेट्स कार्यशाला होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसका शुभारंभ करेंगे।

प्रमुख बिंदु

- पहले दिन छह मंडल, दूसरे दिन पाँच मंडल व तीसरे दिन सात मंडल के किसान इसमें हिस्सा लेंगे। साथ ही इसमें कृषि विश्वविद्यालयों व दो कॉलेजों के शिक्षक-छात्र भी हिस्सा लेंगे।
  - 27 अक्तूबर को लखनऊ, कानपुर, अयोध्या, बस्ती, आज़मगढ़ व देवीपाटन मंडल
  - 28 अक्तूबर को सहारनपुर, मेरठ, अलीगढ़, आगरा व मुरादाबाद मंडल
  - 29 अक्तूबर को गोरखपुर, बरेली, वाराणसी, झाँसी, चित्रकूट, प्रयागराज व मिर्ज़ापुर मंडल
- इस महोत्सव के ज़रिये राज्य सरकार प्रगतिशील किसानों को जहाँ सम्मानित करेगी, वहीं मिलेट्स उत्पादों के लिये अन्य किसानों को प्रेरित भी करेगी। साथ ही मिलेट्स फसलों के उत्पादन, उपभोग, विपणन, निर्यात आदि के बारे में भी जागरूक करेगी।
- सम्मेलन में प्रत्येक मंडल के प्रत्येक जनपद से 50 प्रगतिशील किसान, कृषक उत्पादक संगठन के 10 प्रतिनिधि व 10 प्राविधिक सहायक हिस्सा लेंगे।
- राज्यस्तरीय मिलेट्स कार्यशाला में 35 एफपीओ को सीड मनी के लिये प्रमाण-पत्र दिया जाएगा। मुख्यमंत्री प्रत्येक एफपीओ को प्रति इकाई 4 लाख रुपए प्रदान करेंगे। साथ ही मिलेट्स आधारित प्रसंस्करण संयंत्र लगाने वाली सरकारी संस्थाओं को भी अनुदान राशि दी जाएगी। यहाँ श्री अन्न के उत्पादों के 40 स्टॉल भी लगेंगे। इसमें एफपीओ, प्रतिभागी व मिलेट्स पर काम करने वाली कंपनियों के स्टॉल लगेंगे। इसके ज़रिये लोग मिलेट्स उत्पादों के फायदों से अवगत होंगे।

नोट :

उत्तर प्रदेश के गाँवों में शुरू की जाएगी डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक

चर्चा में क्यों ?

18 अक्तूबर, 2023 को उत्तर प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने गाँवों में डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक सेवा शुरू करने के संदर्भ में डॉक्टरों की बनी टीम डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक के लिये ओबदु ग्रुप के साथ 350 करोड़ रुपए का एमओयू किया है।

प्रमुख बिंदु

- सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि राज्य सरकार निजी निवेश के माध्यम से यह पहल करने जा रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य रियायती दरों पर लोगों को गंभीर-से-गंभीर बीमारियों में चिकित्सीय परामर्श के साथ ही दवाइयाँ एवं पैथोलॉजी टेस्ट की सुविधा उपलब्ध कराना है।
- इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 'डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक' स्थापित कर क्लीनिक से इलाज शुरू किया जाएगा। इसके द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में मरीज आसानी से डॉक्टरों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा बात कर पाएंगे, साथ ही उन्हें इलाज मिल पाएगा।
- उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित होने वाले ये क्लीनिक एक प्रकार से प्राइमरी हेल्थ सेंटर की तरह होंगे।
- शुरुआत में ये पायलट प्रोजेक्ट के तहत लखनऊ तथा बुलंदशहर के कुल 20 केंद्रों में खोले जाएंगे, इसके बाद इन्हें पूरे उत्तर प्रदेश में शुरू किया जाएगा।

नोट :

प्रदेश में 550 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा कम्प्रेस्ड बायोगैस और बायोडीज़ल प्लांट, 12 प्रस्तावों पर लगी मुहर

चर्चा में क्यों ?

19 अक्तूबर, 2023 को उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) की राज्यस्तरीय समिति ने कम्प्रेस्ड बायोगैस तथा बायो डीज़ल के उत्पादन संयंत्रों की स्थापना के लिये 550 करोड़ रुपए के 12 प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की।

प्रमुख बिंदु

- यूपीनेडा मुख्यालय में अपर मुख्य सचिव ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत महेश कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में हुई राज्यस्तरीय समिति की बैठक में भूमि बैंक लोन सहित अन्य ज़रूरी औपचारिकताएँ पूर्ण करने वाले प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई।
- स्वीकृत 12 परियोजनाओं से प्रदेश में 93 टन सीबीजी और 44 किलो लीटर बायो डीज़ल का उत्पादन रोज़ाना होगा।
- उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा पूर्व में 13 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है, जिन पर आवश्यक निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। इस प्रकार अभी तक स्वीकृत कुल 25 प्रस्तावों से 1271 करोड़ रुपए का निवेश होगा।
- यूपीनेडा के निदेशक अनुपम शुक्ला ने बताया कि नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अब तक लगभग सात लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव यूपीनेडा को प्राप्त हुए हैं। इसमें से लगभग 57 हज़ार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव उत्तर प्रदेश राज्य जैव ऊर्जा नीति-2022 के तहत बायो ऊर्जा क्षेत्र के हैं।
- कम्प्रेस्ड बायोगैस, बायो डीज़ल तथा बायोकोल के प्लांटों की स्थापना हेतु 354 निवेशकों ने अपनी परियोजनाओं की स्वीकृति के लिये यूपीनेडा के समक्ष अपना प्रस्ताव प्रस्तुत किया है, जिसमें से 80 परियोजनाओं को यूपीनेडा स्तर से सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।
- निवेशकों की जिन 12 परियोजनाओं को समिति द्वारा मंज़ूरी दी गई है, वे हैं-
  - कम्प्रेस्ड बायो गैस के लिये बरेली में कार्बन सर्कल प्राइवेट लिमिटेड को।
  - मेरठ में आनंद मंगल इन्फ्रा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड को।
  - सीतापुर में ईकोतारस सस्टेनेबल सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड को।
  - मुज़फ्फरनगर में बायोस्पार्क एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड को।
  - रायबरेली में पंचवटी फूड को।
  - मथुरा में अडानी टोटल एनर्जी बायोमास प्राइवेट लिमिटेड को।
  - मुज़फ्फरनगर में मेसर्स रिजूलेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को।
  - मुरादाबाद में जैविक विकल्प ऊर्जा लिमिटेड को।
  - सहारनपुर में बी. के. इन्वेस्टमेंट सर्विस प्राइवेट लिमिटेड को।
  - शामली में श्री शताक्छी बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड को।
  - बायोडीज़ल के लिये लखनऊ में सिसोदिया रिसर्च लेबोरेटरीज़ प्राइवेट लिमिटेड को।
  - लखनऊ मैटफ्यूजन वेल्ड प्राइवेट लिमिटेड को।

नोट :

बीएचयू में बनेगा नेशनल एजिंग सेंटर

चर्चा में क्यों ?

19 अक्तूबर, 2023 को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने उत्तर प्रदेश में नेशनल एजिंग सेंटर बनाने की स्वीकृति के संदर्भ में उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी को पत्र के माध्यम से अवगत कराया है।

प्रमुख बिंदु

- उत्तर प्रदेश के बीएचयू में देश का तीसरा जीरियाट्रिक केयर एंड रिहेबिलिटेशन सेंटर (नेशनल एजिंग सेंटर) बनेगा। वर्तमान में इस तरह के सेंटर एम्स, दिल्ली एवं मद्रास (चेन्नई) मेडिकल कॉलेज में चल रहे हैं।
- 'नेशनल प्रोग्राम फॉर हेल्थकेयर ऑफ द एल्डरली' के तहत बनने वाले इस सेंटर का सबसे ज़्यादा लाभ बुजुर्गों को मिलेगा। इस सेंटर के बनने से बुजुर्गों को इलाज कराने हेतु ज़्यादा भटकना नहीं पड़ेगा। इस सेंटर में सभी बीमारियों का इलाज हो सकेगा।
- इस सेंटर का निर्माण बीएचयू, उत्तर प्रदेश के पुराने पेट्रोल पंप वाले स्थान पर होगा। यह सेंटर छह मंज़िला भवन का होगा, जिसमें 200 बेड होंगे।

नोट :

वाराणसी समेत तीन जगह खुलेंगी डायलिसिस यूनिट

चर्चा में क्यों ?

19 अक्तूबर, 2023 को उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के निर्देश पर उत्तर प्रदेश में डायलिसिस यूनिट खोलने हेतु प्रदेश के 11 अस्पतालों के लिये वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

प्रमुख बिंदु

- उत्तर प्रदेश में डायलिसिस यूनिट खोलने के संदर्भ में स्वीकृत इस धनराशि से लखनऊ, वाराणसी एवं गोरखपुर ज़िलों के अस्पतालों में किडनी मरीज़ों के लिये डायलिसिस यूनिट खोलीं जा रही हैं।
- उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ने अधिकारियों को तय समय पर डायलिसिस यूनिट खोलने के संदर्भ काम करने के निर्देश दिये हैं।
- उत्तर प्रदेश के लखनऊ, वाराणसी एवं गोरखपुर ज़िलों के तीन अस्पतालों में ब्लड बैंक की भी स्थापना होगी।
- डिप्टी सीएम ने कहा है कि सरकारी अस्पतालों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। लखनऊ के लोक बंधु राज नारायण अस्पताल में चार-चार बेड की दो डायलिसिस यूनिट खोलने के निर्देश दिये गए हैं। साथ ही अस्पताल में ब्लड बैंक के लिये रोटरी इंटरनेशनल को अनुमति प्रदान की है।
- इसी तरह वाराणसी एवं गोरखपुर में चार-चार बेड की डायलिसिस यूनिट खोलने की अनुमति प्रदान की है। इन दोनों अस्पतालों में भी रोटरी इंटरनेशनल ब्लड बैंक की स्थापना में मदद करेगी।

कबीर पुरस्कार के लिये तीन बुनकरों का चयन

चर्चा में क्यों ?

19 अक्तूबर, 2023 उत्तर प्रदेश के संत कबीर राज्य हथकरघा पुरस्कार के चयन के संदर्भ में रायफल क्लब में डीएम एस. राजलिंगम की अध्यक्षता में हुई चयन समिति की बैठक में क्षेत्रीय स्तर पर कबीर पुरस्कार के लिये तीन विजेताओं की घोषणा की गई।

प्रमुख बिंदु

- इसके पहले पुरस्कार हेतु रंगकार्ट डिज़ाइन के लिये वाराणसी की लक्ष्मी का चयन किया गया।
- इसके दूसरे पुरस्कार हेतु दरी के लिये मिर्ज़ापुर की रुखसार बेगम का चयन किया गया।
- इसके तीसरे पुरस्कार हेतु दुपट्टा के लिये वाराणसी के मंगला प्रसाद मौर्य का चयन किया गया।
- कबीर पुरस्कार के तहत प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं को निर्धारित धनराशि सहित शील्ड, प्रमाण-पत्र एवं अंगवस्त्रम प्रदान किया जाता है।

नोट :

- कबीर पुरस्कार के तहत पहले पुरस्कार में 20 हज़ार रुपए, द्वितीय पुरस्कार में 15 हज़ार रुपए एवं तृतीय पुरस्कार में 10 हज़ार रुपए समेत शील्ड, प्रमाण-पत्र व अंगवस्त्रम दिये जाते हैं।

प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के गाज़ियाबाद में भारत के पहले रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) का शुभारंभ किया

चर्चा में क्यों ?

20 अक्तूबर, 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के गाज़ियाबाद में साहिबाबाद रैपिडएक्स स्टेशन पर दिल्ली-गाज़ियाबाद-मेरठ आरआरटीएस गलियारे के प्राथमिकता वाले खंड का उद्घाटन किया तथा भारत के पहले रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) का शुभारंभ करते हुए साहिबाबाद से दुहाई डिपो को जोड़ने वाली 'नमो भारत' रैपिडएक्स ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रमुख बिंदु

- इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगलूरू मेट्रो के पूर्व-पश्चिम गलियारे की दो लाइनों को भी राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने रीजनल रैपिड ट्रेन 'नमो भारत' में यात्रा भी की।
- इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि नव उद्घाटित नमो भारत ट्रेन 'मेड इन इंडिया' है। नमो भारत ट्रेन में सहायक स्टाफ और लोकोमोटिव पायलट सभी महिलाएँ हैं।
- प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि कनेक्टिविटी में सुधार लाने और रोज़गार के नए अवसरों का सृजन करने के लिये आने वाले दिनों में देश के अन्य हिस्सों में भी इसी तरह की प्रणाली तैयार की जाएगी।
- उन्होंने कहा कि 'अमृत भारत', 'वंदे भारत' और 'नमो भारत' की ये त्रिवेणी इस दशक के अंत तक भारतीय रेल के आधुनिकीकरण का प्रतीक बनेगी।
- मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली के सराय काले खाँ, आनंद विहार, गाज़ियाबाद और मेरठ बस स्टेशनों, मेट्रो स्टेशनों और रेलवे स्टेशनों को नमो भारत प्रणाली से जोड़ा जा रहा है।
- दिल्ली-गाज़ियाबाद-मेरठ आरआरटीएस गलियारा
- दिल्ली-गाज़ियाबाद-मेरठ आरआरटीएस गलियारे का 17 किलोमीटर लंबा प्राथमिकता वाला खंड गाज़ियाबाद, गुलधार और दुहाई स्टेशनों के साथ साहिबाबाद को 'दुहाई डिपो' से जोड़ेगा। प्रधानमंत्री ने 8 मार्च, 2019 को दिल्ली-गाज़ियाबाद-मेरठ गलियारा की आधारशिला रखी थी।
- नए विश्वस्तरीय परिवहन बुनियादी ढाँचे के निर्माण के माध्यम से देश में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बदलने की प्रधानमंत्री की कल्पना के अनुरूप, क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) परियोजना विकसित की जा रही है।
- आरआरटीएस एक नई रेल-आधारित, सेमी हाई स्पीड, हाई फ्रीक्वैन्सी वाली कंप्यूटर ट्रांजिट प्रणाली है। 180 किमी. प्रति घंटे की गति के साथ, आरआरटीएस एक परिवर्तनकारी, क्षेत्रीय विकास पहल है, जिसे हर 15 मिनट में इंटरसिटी आवागमन के लिये हाई-स्पीड ट्रेनें प्रदान करने के लिये डिज़ाइन किया गया है, जो आवश्यकता के अनुसार हर 5 मिनट की फ्रीक्वैन्सी तक जा सकती है।
- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में तैयार किये जाने वाले कुल आठ आरआरटीएस कॉरिडोर की पहचान की गई है, जिनमें से तीन कॉरिडोर को चरण-I में लागू करने की प्राथमिकता दी गई है, जिसमें दिल्ली-गाज़ियाबाद-मेरठ कॉरिडोर, दिल्ली-गुरुग्राम-एसएनबी-अलवर कॉरिडोर और दिल्ली-पानीपत कॉरिडोर शामिल हैं।
- दिल्ली-गाज़ियाबाद-मेरठ आरआरटीएस 30,000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से तैयार किया जा रहा है और यह गाज़ियाबाद, मुरादनगर और मोदीनगर के शहरी केंद्रों से गुज़रते हुए एक घंटे से भी कम समय में दिल्ली को मेरठ से जोड़ेगा।
- देश में विकसित आरआरटीएस एक अत्याधुनिक क्षेत्रीय गतिशीलता समाधान है और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ से इसकी बराबरी की जा सकती है। यह देश में एक शहर से दूसरे शहर जाने के लिये सुरक्षित, विश्वसनीय और आधुनिक आवागमन की सुविधा प्रदान करेगा। पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप, आरआरटीएस नेटवर्क में रेलवे स्टेशनों, मेट्रो स्टेशनों, बस सेवाओं आदि के साथ व्यापक मल्टी-मॉडल-एकीकरण होगा।

नोट :

- इस तरह के परिवर्तनकारी क्षेत्रीय गतिशीलता समाधान क्षेत्र में आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा देंगे, रोज़गार, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल के अवसरों तक बेहतर पहुँच प्रदान करेंगे और वाहनों की भीड़भाड़ और वायु प्रदूषण में उल्लेखनीय कमी लाने में मदद मिलेगी।

नोट :

“
आज बेंगलुरु में
मेट्रो की 2 लाइनों को भी
देश को समर्पित किया गया है।
इससे बेंगलुरु के IT hub की connectivity
और बेहतर हुई है।
नमो भारत और बेंगलुरू मेट्रो के लोकार्पण पर पीएम मोदी,
20 अक्टूबर 2023

नोट :

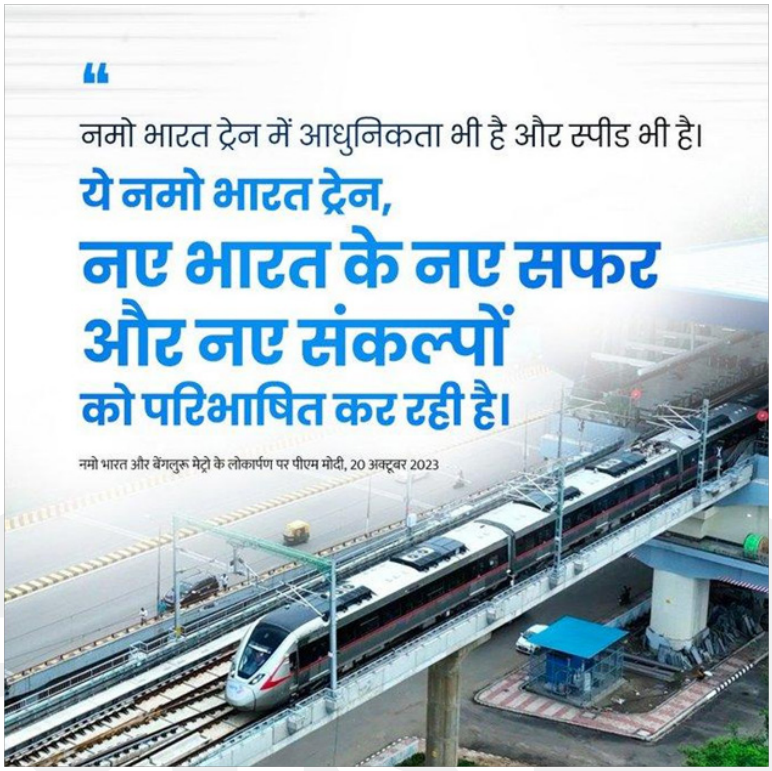
“
नमो भारत ट्रेन में आधुनिकता भी है और स्पीड भी है।
ये नमो भारत ट्रेन,
नए भारत के नए सफर
और नए संकल्पों
को परिभाषित कर रही है।
नमो भारत और बेंगलुरू मेट्रो के लोकार्पण पर पीएम मोदी, 20 अक्टूबर 2023

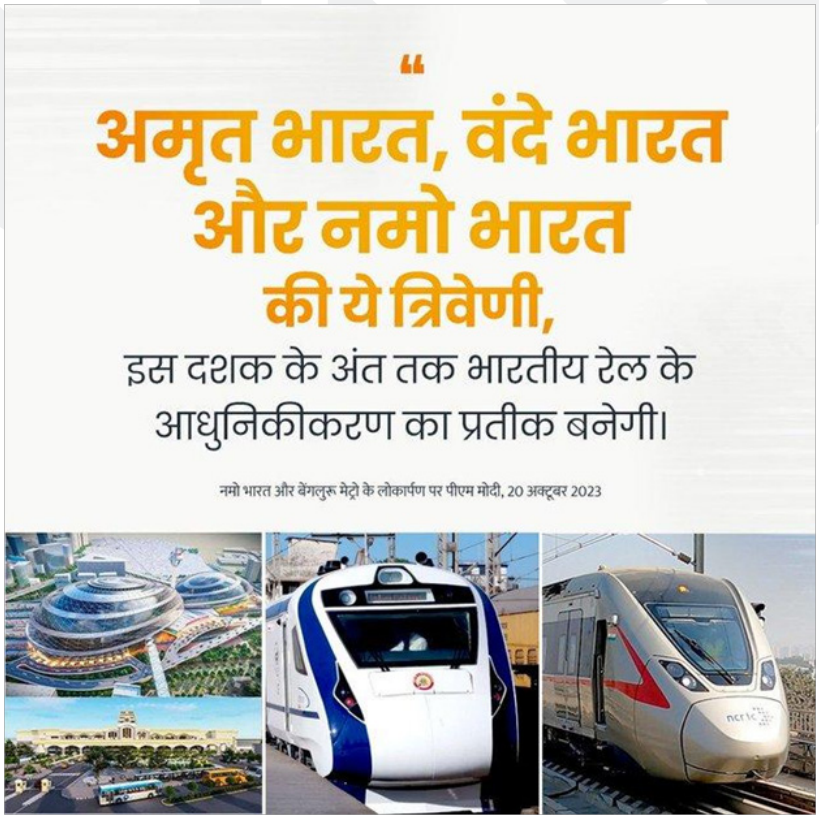
“
अमृत भारत, वंदे भारत
और नमो भारत
की ये त्रिवेणी,
इस दशक के अंत तक भारतीय रेल के
आधुनिकीकरण का प्रतीक बनेगी।
नमो भारत और बेंगलुरू मेट्रो के लोकार्पण पर पीएम मोदी, 20 अक्टूबर 2023

नोट :

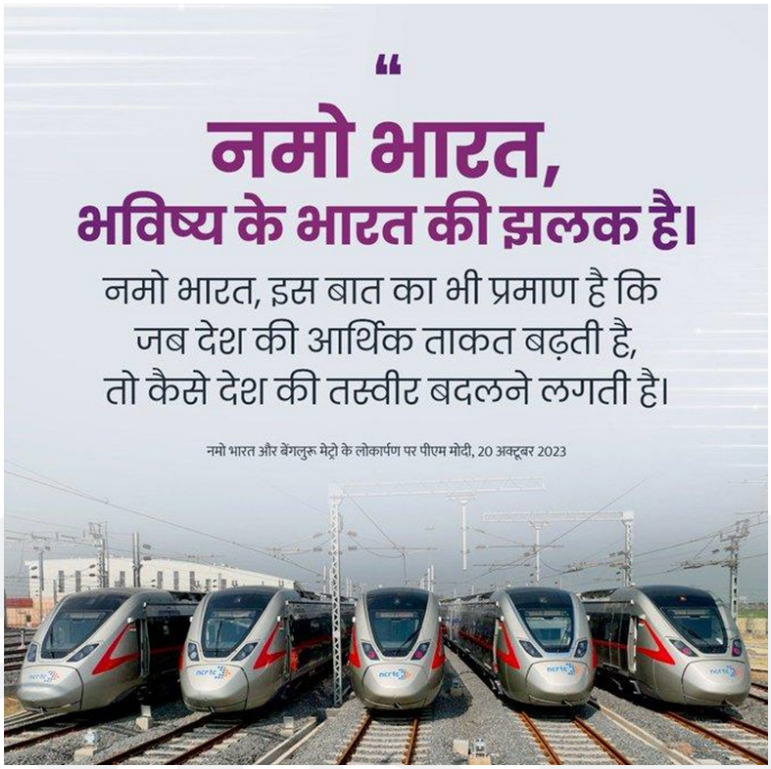
“
नमो भारत,
भविष्य के भारत की झलक है।
नमो भारत, इस बात का भी प्रमाण है कि
जब देश की आर्थिक ताकत बढ़ती है,
तो कैसे देश की तस्वीर बदलने लगती है।
नमो भारत और बेंगलुरू मेट्रो के लोकार्पण पर पीएम मोदी, 20 अक्टूबर 2023

“
आज भारत में जो भी
इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो रहा है,
उसमें नागरिक सुविधाओं को
सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।
नमो भारत और बेंगलुरू मेट्रो के लोकार्पण पर पीएम मोदी, 20 अक्टूबर 2023

नोट :

लखनऊ में बनेगा नौसेना शौर्य संग्रहालय

चर्चा में क्यों ?

21 अक्तूबर, 2023 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में इकाना स्टेडियम के निकट सीजी सिटी में 23 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले नौसेना शौर्य संग्रहालय निर्माण कार्य परियोजना का भूमि पूजन व बटन दबाकर शिलान्यास किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के बच्चों ने राष्ट्रगीत व भारतीय नौसेना के बैंड ने अपनी प्रस्तुति दी।
- आईएनएस गोमती की विरासत को एक खुले संग्रहालय में रखा जाएगा, जहाँ उसकी कई युद्धक प्रणालियों को सैन्य तथा युद्ध अवशेषों के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा।

नोट :

- आईएनएस गोमती ने 34 वर्ष तक भारतीय नौसेना की क्षमता में अभिवृद्धि करके उसकी सामरिक स्थिति को सुदृढ़ किया, वहीं ऑपरेशन कैक्टस, पराक्रम और रेनबो में शामिल रहे इस पोत को मई 2022 में सेवामुक्त कर दिया गया।
- विदित है कि हाल ही में नौसेना को अपना स्वदेशी चिह्न भी प्राप्त हुआ है।
- आईएनएस गोमती का नाम गोमती नदी के नाम पर रखा गया और 16 अप्रैल, 1988 को तत्कालीन रक्षा मंत्री के.सी.पंत ने मझगाँव डॉक लिमिटेड, बंबई (अब मुंबई) में सेवा में शामिल किया था।
- आईएनएस गोमती गोदावरी क्लास गाइडेड-मिसाइल फ्रिगेट का तीसरा जहाज़ था। यह पश्चिमी बेड़े का सबसे पुराना योद्धा भी था।

लखनऊ ने खेलो इंडिया महिला जूडो लीग में प्राप्त किया पहला स्थान

चर्चा में क्यों ?

23 अक्तूबर, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार लखनऊ ने खेलो इंडिया महिला जूडो लीग में 12 स्वर्ण, 5 रजत एवं 22 कांस्य पदक जीतते हुए पहला स्थान प्राप्त किया।

प्रमुख बिंदु

- इंडियन पैरा जूडो एकेडमी, हलवासिया कोर्ट, हज़रतगंज में सब जूनियर, कैडेट, जूनियर एवं सीनियर वर्गों में खेली गई लीग में बाराबंकी 9 स्वर्ण, 11 रजत एवं 9 कांस्य पदक के साथ दूसरे स्थान पर रहा।
- लीग में सब जूनियर में बाल सदन की टीका बली, एमडी क्लब की निस्था आदि ने स्वर्ण पदक जीते।
- इस लीग में लखनऊ के अतिरिक्त हरदोई, बाराबंकी एवं लखीमपुर खीरी आदि ज़िलों की लगभग 100 से अधिक बालिकाओं ने हिस्सा लिया।
- समापन समारोह में अपर मुख्य सचिव, ऊर्जा और गैर-पारंपरिक ऊर्जा महेश कुमार गुप्ता ने पुरस्कार वितरित किये।

नोट :

अंकुर धामा ने जीता एशियन पैरा गेम्स के पाँच हज़ार मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक

चर्चा में क्यों ?

24 अक्तूबर, 2023 को एशियन पैरा गेम्स में उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद के अंकुर धामा ने पाँच हज़ार मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता है।

प्रमुख बिंदु

- विदित हो कि एशियन पैरा गेम्स 22 से 28 अक्तूबर 2023 के बीच हांगझू, चीन में आयोजित किये जा रहे हैं।
- अंकुर धामा ने वर्ष 2009 वर्ल्ड यूथ एंड स्टूडेंट चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीते थे, वहीं साल 2014 में एशियन पैरा गेम्स में एक रजत और दो कांस्य पदक भी जीते थे।
- अंकुर ने पैरा ओलंपिक में वर्ष 2016 में हिस्सा लिया। हालाँकि वहाँ पदक नहीं मिल सका। इसके बाद वर्ष 2018 में अंकुर को अर्जुन अवॉर्ड से नवाज़ा गया। वह बागपत के छह अर्जुन अवॉर्डों में इकलौते पैरा खिलाड़ी हैं।
- एशियन पैरा गेम्स
  - एशियाई पैरा खेल, जिसे पैरा एशियाड के नाम से भी जाना जाता है, एशियाई पैरालंपिक समिति द्वारा विनियमित एक बहु-खेल आयोजन है, जो शारीरिक रूप से विकलांग एथलीटों के लिये प्रत्येक एशियाई खेलों के बाद हर चार साल में आयोजित किया जाता है।
  - खेलों को अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त है और यह पैरालंपिक खेलों के बाद दूसरा सबसे बड़ा बहु-खेल आयोजन है।

लाडली अवाड्र्स 2023: 'गाँव कनेक्शन' को मिला दोहरा सम्मान

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में लैंगिक समानता के क्षेत्र में काम करने वाली प्रतिष्ठित संस्था 'पॉपुलेशन फर्स्ट' द्वारा जयपुर में लैंगिक संवेदनशीलता के लिये आयोजित 13वें लाडली मीडिया एंड एडवरटाइजिंग अवॉर्ड्स में 'गाँव कनेक्शन'को दोहरा सम्मान प्रदान किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- दलित लड़कियों के खिलाफ अपराधों का दस्तावेज़ीकरण करने वाली उत्तर प्रदेश की दो ग्राउंड रिपोर्टों को लाडली अवॉर्ड्स 2023 में सम्मानित किया गया है। दोनों ग्राउंड रिपोर्ट को क्रमश: अंग्रेज़ी इन्वेस्टिगेटिव स्टोरी और वेब इन्वेस्टिगेटिव स्टोरी की श्रेणियों में सम्मानित किया गया।

नोट :

- मानवेंद्र सिंह द्वारा रिपोर्ट की गई और 11 दिसंबर, 2022 को प्रकाशित '2 हत्याएँ, 22 महीने, 1 अदालती कार्यवाही-उन्नाव में मृत दलित चचेरे बहनों के परिवार अभी भी न्याय का इंतजार कर रहे हैं' शीर्षक वाली कहानी ने 'हिंदी: वेब - खोजी कहानी'श्रेणी के तहत पुरस्कार जीता।
  - यह कहानी एक अपराध की जाँच थी, जिसमें 2021 में उत्तर प्रदेश के उन्नाव में तीन नाबालिग दलित लड़कियों को कथित तौर पर जहर दिया गया था। उनमें से दो की मौत हो गई, जबकि एक बच गई।
  - यह कहानी, भारत के सबसे बड़े ग्रामीण संचार और अंतर्दृष्टि मंच की 10वीं वर्षगाँठ को चिह्नित करने के लिये 10 विषयों पर 'गाँव कनेक्शन' की 10-भाग श्रृंखला का हिस्सा थी।
  - 'गाँव कनेक्शन'के अनुसार यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (POCSO) अधिनियम, 2012 के कड़े होने के बावजूद, दो नाबालिग लड़कियों के परिवार को अभी भी न्याय का इंतज़ार है।
- 7 अक्तूबर, 2022 को प्रकाशित दूसरी कहानी 'आरोपी 8 साल से जमानत पर बाहर'; 'बदायूँ सामूहिक बलात्कार-हत्या मामले में नाबालिग पीड़ित परिवार के लिये तारीख-पे-तारीख' ने 'अंग्रेज़ी: खोजी कहानी'श्रेणी के तहत पुरस्कार जीता। इसकी रिपोर्टिंग शिवानी गुप्ता और अभिषेक वर्मा (कैमरापर्सन) ने की।
  - यह कहानी अपराध होने के वर्षों बाद बलात्कार पीड़ितों के जीवन का आकलन करने के लिये पिछले साल 'गाँव कनेक्शन'द्वारा शुरू की गई 'ट्वाइस कर्स्ड'नामक श्रृंखला का हिस्सा थी।
- विदित हो कि 'लाडली मीडिया अवार्ड्स'मुंबई स्थित सामाजिक प्रभाव संगठन 'पॉपुलेशन फर्स्ट' की एक पहल है, जो संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) द्वारा समर्थित है तथा देश भर में मीडिया में लैंगिक संवेदनशीलता को बढ़ावा देने के लिये पिछले दो दशकों से काम कर रहा है।
- पुरस्कार समारोह के 13वें संस्करण में, कुल 87 पत्रकारों को लैंगिक संवेदनशीलता के लिये लाडली मीडिया एडवरटाइजिंग अवार्ड प्रदान किया गया, जबकि अन्य 31 को जूरी प्रशंसा प्रशस्ति पत्र प्राप्त हुए। देश भर से लैंगिक संवेदनशीलता पर पुरस्कारों के लिये 13 भाषाओं में 850 से अधिक प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं थीं।

नोट :

अमर उजाला के चंद्रभान यादव को मिला 'लाडली मीडिया अवॉर्ड'

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में लैंगिक समानता के क्षेत्र में काम करने वाली प्रतिष्ठित संस्था 'पॉपुलेशन फर्स्ट' द्वारा अमर उजाला स्टेट ब्यूरो (उत्तर प्रदेश) में कार्यरत मुख्य संवाददाता चंद्रभान यादव को 'लाडली मीडिया अवॉर्ड्स 2023' से सम्मानित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- विदित हो कि 'पॉपुलेशन फर्स्ट' संस्था की ओर से लैंगिक संवेदनशीलता को बढ़ावा देने के लिये 'लाडली मीडिया अवॉर्ड' दिया जाता है। संस्था द्वारा लाडली मीडिया अवॉर्ड की घोषणा इस साल 21 अक्तूबर को की गई थी।
- इस अवॉर्ड के लिये देश भर से 13 भाषाओं के करीब 850 से ज़्यादा पत्रकारों ने प्रविष्टियां भेजी थी, जिनमें जूरी मेंबर्स ने 87 का चयन किया और उन्हें सम्मानित किया। इनके अलावा 31 पत्रकारों को जूरी प्रशंसा पत्र दिया गया।
- अमर उजाला स्टेट ब्यूरो में कार्यरत मुख्य संवाददाता चंद्रभान यादव को यह अवॉर्ड अमर उजाला में 'बीमारी पति पत्नी दोनों की, फिर भी सजा भुगतती पत्नी' शीर्षक से प्रकाशित खबर के लिये दिया गया है।
- गौरतलब है कि इससे पहले चंद्रभान यादव को रीच मीडिया फाउंडेशन की ओर से फेलोशिप भी मिल चुकी है।
- जयपुर के राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित समारोह में बाबा आमटे दिव्यांग विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति प्रो. डॉ. देव स्वरूप, संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के पॉलिसी व साझेदारी प्रमुख जयदीप बिस्वास, यूएनएफपीए की प्रोग्राम मैनेजमेंट स्पेशलिस्ट अनुजा गुलाटी और लोक संवाद संस्थान के सचिव कल्याण सिंह कोठारी ने राजीव पांडेय को सम्मानित किया।

उत्तर प्रदेश बना देश का चौथा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम वाला प्रदेश

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में प्रदेश में निवेश के आँकड़ों का संकलन कर रही एजेंसी केपीएमजी की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश देश का चौथा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम वाला प्रदेश बनकर उभरा है।

प्रमुख बिंदु

- वर्तमान में देश में 108 से ज़्यादा यूनीकॉर्न स्टार्टअप मौजूद हैं, जिनमें आठ उत्तर प्रदेश के हैं। उत्तर प्रदेश के सभी 75 ज़िलों में स्टार्टअप हैं, जिनमें आठ यूनीकॉर्न हैं और कई तेज़ी से यूनीकॉर्न बनने की ओर अग्रसर हैं।

नोट :

- केपीएमजी की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश के पे-टीएम, पे-टीएम मॉल, इंडिया मॉर्ट, मोगलिक्स, पाइन लैब्स, इनोवेसर, इंफो एज और फिजिक्स वाला देश के यूनीकॉर्न स्टार्टअप में शामिल किये गए हैं।
- यूनीकार्न वो स्टार्टअप होते हैं, जिसकी वैल्यूएशन एक अरब डॉलर से अधिक होती है। इसी प्रकार सूनीकॉर्न (सून दू बी यूनीकॉर्न) उन स्टार्टअप को कहा जाता है, जिनमें निकट भविष्य में यूनीकॉर्न बनने की क्षमता हो। फिलहाल प्रदेश में दो सूनीकॉर्न स्टार्टअप कार्य कर रहे हैं, इनके नाम क्लास प्लस व इनशॉर्ट्स हैं।
- रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में 49 प्रतिशत स्टार्टअप टियर-2 व टियर-3 शहर से संबंधित हैं। प्रदेश में स्टार्टअप इकोसिस्टम से एक लाख से ज़्यादा रोज़गार सृजन के अवसर सृजित हुए हैं।
- प्रदेश सरकार ने वर्ष 2025 तक 10 हज़ार स्टार्टअप का लक्ष्य निर्धारित किया था, जिसके सापेक्ष वर्ष 2023 के मध्य तक ही यह लक्ष्य प्राप्त किया जा चुका है।

उत्तर प्रदेश के एक्सप्रेसवे पर इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिये बनेंगे अत्याधुनिक चार्जिंग स्टेशन

चर्चा में क्यों ?

25 अक्तूबर, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के एक्सप्रेसवे पर इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिये अत्याधुनिक चार्जिंग स्टेशन बनेंगे। इसके लिये बैटरी स्वैपिंग व्यवस्था युक्त सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

प्रमुख बिंदु

- यमुना, आगरा-लखनऊ, बुंदेलखंड, पूर्वांचल व गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर बैटरी स्वैपिंग व्यवस्था युक्त सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित किये जाएंगे।
- उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) इन चार्जिंग स्टेशन को पीपीपी मोड पर विकसित करेगा।
- चार्जिंग स्टेशनों के लिये चयनित आवेदनकर्ताओं को साधारण लीज पर 10 वर्षों के लिये यूपीडा ज़मीन देगा। साथ ही यूपीडा 100 प्रतिशत वित्तीय सहयोग करेगा। निविदा के ज़रिये चार्ज प्वाइंट ऑपरेटर का चयन होगा, जो सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन का विकास करेगा।
- इसके अतिरिक्त सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिये 2000 चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना करेगी। इसमें आगरा, लखनऊ, प्रयागराज समेत नगर पालिका युक्त शहरों में 1300, राम मंदिर, ताजमहल जैसी हेरिटेज साइट्स में 100, मथुरा-वृंदावन व वाराणसी-अयोध्या जैसे पर्यटक स्थलों पर 200 और प्रदेश के नेशनल व स्टेट हाईवे पर 400 ईवी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित होंगे।

नोट :

'हर घर जल योजना' के तहत नल कनेक्शन देने में उत्तर प्रदेश देश में शीर्ष पर

चर्चा में क्यों ?

27 अक्तूबर, 2023 को मिडिया से मिली जानकारी के अनुसार जल जीवन मिशन की 'हर घर जल योजना' के तहत नल कनेक्शन देने में उत्तर प्रदेश देश में शीर्ष स्थान पर है। अब तक उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा एक करोड़ 60 लाख 57 हज़ार 65 ग्रामीण परिवारों तक नल से शुद्ध जल पहुँचा दिया गया है।

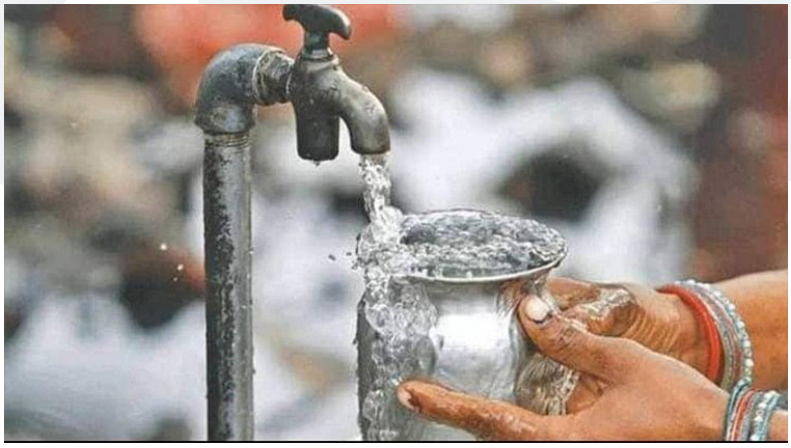

प्रमुख बिंदु

- नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से राज्य में ग्रामीण आबादी को स्वच्छ पेयजल पहुँचाने का महाभियान जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना से स्वच्छ जल ग्रामीण क्षेत्रों में पहुँचाने के लिये शुरू किया गया है।
- उत्तर प्रदेश सबसे अधिक नल कनेक्शन देने वाला राज्य बन गया है। राज्य में योजना से प्रत्येक दिन 40 हज़ार से अधिक ग्रामीणों तक नल कनेक्शन पहुँचाने का काम किया जा रहा है।
- 2019 से पहले उत्तर प्रदेश में केवल 5 लाख 16 हज़ार 221 परिवारों तक ही नल कनेक्शन थे, वहीं बीते साढ़े तीन सालों में उत्तर प्रदेश में एक करोड़ 60 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को उनके घर पर ही पीने का स्वच्छ पानी उपलब्ध कराया गया है।

नोट :

- हर घर जल योजना-
  - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अगस्त 2019 में शुरू की गई थी। यह मिशन वर्ष 2024 तक कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन (FHTC) के माध्यम से प्रत्येक ग्रामीण परिवार को प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 55 लीटर जल की आपूर्ति की परिकल्पना करता है।
  - यह जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत आता है।
  - इस मिशन का लक्ष्य मौजूदा जल आपूर्ति प्रणालियों एवं जल कनेक्शन, जल गुणवत्ता निगरानी और परीक्षण के साथ-साथ सतत् कृषि की कार्यक्षमता सुनिश्चित करना है।
  - यह संरक्षित जल के संयुक्त उपयोग को सुनिश्चित करता है। इसके साथ ही यह पेयजल स्रोत में वृद्धि, पेयजल आपूर्ति प्रणाली, ग्रे जल उपचार और पुन: उपयोग को भी सुनिश्चित करता है।

पूर्वांचल के सरकारी स्कूल पढ़ाई-लिखाई और अनुशासन जैसे मानकों पर अव्वल

चर्चा में क्यों ?

30 अक्तूबर, 2023 को उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा विभाग की अगस्त-सितंबर माह की जारी रैंकिंग में पढ़ाई-लिखाई और अनुशासन जैसे मानकों पर पूर्वांचल के सरकारी स्कूल अव्वल रहे। प्रदेश के 823 विकासखंडों की ताजा रिपोर्ट में शीर्ष 10 में पूर्वांचल के ब्लॉकों को जगह मिली है।

प्रमुख बिंदु

- बलिया ज़िले के दो ब्लॉक बैरिया और मनियार क्रमश: पहले और दूसरे, जबकि बेल्हारी नौवें स्थान पर है। चंदौली ज़िले का सकलडीहा तीसरे, जौनपुर ज़िले का केराकत चौथे, देवरिया ज़िले का भागलपुर पाँचवें, सलेमपुर सातवें व भलुआनी दसवें, भदोही ज़िले का अभोली व औराई क्रमश: छठवें व आठवें स्थान पर है। प्रयागराज ज़िले के कौड़िहार फर्स्ट को पूरे प्रदेश मंर 14वाँ स्थान मिला है।
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुज़फ्फरनगर ज़िले का खतौली 16वें, अलीगढ़ ज़िले का खैर ब्लॉक 49वें, मेरठ ज़िले का सरूरपुर 56वें, बरेली ज़िले का क्यारा 77वें, आगरा ज़िले का खेरागढ़ 97वें, मुरादाबाद ज़िले का दिलारी 218वें, जबकि रामपुर ज़िले का स्वार ब्लॉक रैंकिंग में 250वें स्थान पर है।
- लखनऊ के गोसाईगंज ब्लॉक को 319वीं रैंक मिली है, जो राजधानी के ब्लॉकों में से सर्वश्रेष्ठ है।
- ब्लॉकवार जारी रैंकिंग कई पैरामीटर पर तैयार की गई है। स्कूलों के जीर्णोद्धार के लिये चल रहे मिशन कायाकल्प, शिक्षकों की अनुपस्थिति, छात्रों की उपस्थिति, बैठकों आदि के आधार पर रैंकिंग की गई है।

नोट :